आइएनजीसीए

'भारत विभाजन 1947' पर परिचर्चा, पद्मश्री बलबीर दत्त ने कहा

आजादी से भी बड़ी घटना है देश का विभाजन

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जायेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिन को दिवस विशेष घोषित कर दिया है. क्योंकि, देश का विभाजन देश की आजादी से भी बड़ी घटना है. ये बातें पद्मश्री बलबीर दत्त ने कहीं. वह गुरुवार को प्रेस क्लब में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आइजीएनसीए) की ओर से 'भारत विभाजन 1947' विषय पर आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे.

प्रेस क्लब में आयोजित व्याख्यान में शामिल पद्मश्री बलबीर दत्त और अन्य.

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को यह जानना जरूरी है कि देश का विभाजन किन कारणों से हुआ. इस कड़ी में जनवरी 1946 से क्रमवार देश की तत्कालीन स्थिति पर भी प्रकाश डाला.

श्री दत्त ने कहा कि ब्रिटिश शासकों ने जून 1948 में पूरी तरह से देश छोड़ देने की घोषणा की थी, लेकिन पहले ही देश में राजनीतिक विवाद तैयार कर लोगों को सांप्रदायिक मामलों की तरफ मोड़ दिया गया. इस कारण पंजाब में धार्मिक मतभेद शुरू हो गया. इस बीच ब्रिटिश सरकार ने भारत छोड़ने से पहले देश के जरूरी कागजातों को नष्ट करना शुरू कर दिया था. भारत के आखिरी वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने देश के राजनीतिक परिवेश में फूट डालने की पूरी कोशिश की और सफल भी रहे.

जुलाई 1947 में देश के राष्ट्रीय तिरंगे में ब्रिटेन के झंडे का यूनियन जैक लगाने का भी सुझाव दे दिया था.

मुख्य अतिथि सीयूजे के पूर्व कुलपति डॉ विनोद कुमार ने कहा कि भारत का पहला विखंडन तब हुआ, जब मुगल शासकों ने देश में रहते हुए यहां की संस्कृति को बदलने और धर्मांतरण की शुरुआत की थी. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एसपी कॉलेज दुमका के पूर्व प्राचार्य डॉ विद्यानाथ झा 'विदित'ने कहा कि सागर से जब अमृत निकला, तो विष भी निकला है. देश आजाद होने के साथ विभाजित भी हुआ. भारत एकमात्र राष्ट्र है जिसके इतिहास में धर्म, भाषा, क्षेत्रीयता के नाम पर हमेशा संघर्ष होते रहे हैं. ऐसे में आजादी के अमृत महोत्सव में इन विष से बचते हुए एकजुट रहने के रास्ते तलाशने होंगे. इस अवसर पर आइएनजीसीए के क्षेत्रीय निदेशक डॉ कुमार संजय झा, डॉ एसएन मुंडा, हरेंद्र सिन्हा आदि मौजूद थे.

भारत विभाजन पर व्याख्यान

रांची। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और रांची प्रेस क्लब के तत्वाधान में गुरुवार को भारत विभाजन 1947 विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन प्रेस क्लब रांची में किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ विनोद कुमार कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मेरे ख्याल से भारत का पहला विखंडन तब हुआ, जब बाहरी आगंतुकों ने भारत में रहकर भारतीय संस्कृति को स्वीकारने से मना कर दिया। वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री बलबीर दत्त ने भारत के विभाजन का स्मरण करते हुए कहा कि देश का विभाजन भारत की स्वतंत्रता से भी बड़ी घटना है।